मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

विज्ञप्ति 24 अक्तूबर

भारत सरकार के 'ज्ञान 'कार्यक्रम के तहत जामिया को सबसे अधिक कोर्स मिले

देश में शिक्षा एवं अनुसंधान के स्तर को विश्वस्तरीय बनाने के भारत सरकार के महत्वकांक्षी कार्यक्रम 'ज्ञान ' : ग्लोबल इनिशटिव ऑफ अकेडमिक नेटवर्क : के तहत जामिया मिल्लिया इस्लामिया को देश के विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक 32 कोर्स मिले हैं।

जेएमआई में 'ज्ञान ' कार्यक्रम के तहत आज 22 वां कोर्स शुरू हुआ जिसमें जेएमआई सहित देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 70 छात्र हिस्सा ले रहे हैं। यह कोर्स कैंसर रोग पर काबू पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त कनाडा के कैंसर विशेषज्ञ डा. गिरीश शाह के नेतृत्व में हो रहा है।

डा. गिरीश की अगुवाई में कनाडा के मशहूर लवाल विश्वविद्यालय में कैंसर उपचार पर बड़े पैमाने पर अग्रणीय अनुसंधान हो रहा है। इसके तहत डीएनए के ज़रिए कैंसर पर क़ाबू पाने का प्रयास किए जा रहे हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन चल रहे 'ज्ञान ' कोर्स में अपने अपने क्षेत्रों के विदेशों के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों की सरपरस्ती में भारतीय विश्वविद्यालयों में किन्हीं खास विषयों पर 10 दिवसीय अल्प कालिक कोर्स चलाए जाते हैं।

डा. शाह के नेतृत्व में हो रहे इस कोर्स का विषय है: ''कैंसर थेरपी थ्रू टार्गेटिंग ममेलीअन डीएनए रिपेअर पाथवे ''।

कोर्स के उद्घाटन सत्र में डा. शाह ने कहा कि इस थेरपी के तहत उनका पहला लक्ष्य यह है कि कैंसर के रोगियों की अकाल मृत्यु को रोका जा सके और वे

अपना जीवन उसी तरह जी सकें जैसे मधुमेह के रोगी अपने रोग के साथ जीते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमेह भी अभी लाईलाज मर्ज़ है लेकिन अब इसमें इस स्तर का ईलाज उपलब्ध हो चुका है कि रोग खत्म नहीं होने के बावजूद रोगी दवाओं और परहेज़ के ज़रिए अपना सामान्य जीवन जी सकता है और अकाल मृत्यु से बचा रहता है।

लवाल विश्वविद्यालय में वरिष्ठ प्रोफेसर के अलावा डा शाह क्यूबेक सिटी अस्पतालों के सीएचयू–क्यू रिसर्च सेंटर के एक वरिष्ठ शोधकर्ता हैं और चुल कैंपस में त्वचा कैंसर अनुसंधान की प्रयोगशाला के चीफ हैं। वह शास्त्री इंडो–कैनेडियन इंस्टीट्यूट में अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जामिया मिल्लिया के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने डा. शाह का स्वागत करते हुए कहा कि अपने उच्च स्तरीय अनुसंधान के चलते इनके दुनिया भर के विशेषज्ञों से संपर्क हैं और जामिया मिल्लिया उनके इन संपर्कों का लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा कि डा. शाह से विचार विमर्श करके ऐसे कुछ और विशेषज्ञों को जेएमआई में 'ज्ञान 'कोर्स के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

प्रो अहमद ने इस बात पर खुशी ज़ाहिर की कि देश के विश्वविद्यालयों में जेएमआई को सबसे अधिक 32 कोर्स मिले हैं।

उद्घाटन सत्र में इस कोर्स के कोऑर्डनैटर प्रो जावेद अहमद खान, जेएमआई में 'ज्ञान 'के कोऑर्डनैटर प्रो अमान जयराजपुरी, नेचुरल साइंसेज़ विभाग के डीन शरीफ अहमद, बायो साइंसेज़ विभाग के प्रमुख मुशाहिद आलम रिज़वी सहित जेएमआई के विभिन्न विभागों के प्रमुख और डीन सहित कोर्स में हिस्सा लेने वाले छात्र उपस्थित थे।

इस सत्र में शास्त्री इंडो–कैनेडियन इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर प्राची कौल भी मौजूद थीं।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर